दीवाली

दीवाली भारत का एक मुख्य त्यौहार है | यह कार्तिक महीने में अमावस्या की रात को बहुत धूमधाम से मनाया जाता है | कहते हैं, लंका-विजय के बाद इसी दिन राम अयोध्या आए थे | अयोध्यावासियों ने इसी ख़ुशी में दीपों से अपने घरों को सजाया था तभी से यह त्यौहार मनाया जाता है |

दीवाली के दिनों में बाजारों में बहुत चहल-पहल होती है | जगह-जगह मिठाइयाँ, खिलौने, कंदील आदि बिकते हैं |

दीवाली से कुछ दिन पहले ही सब लोग घरों का साल-भर का कूड़ा-करकट दूर करके दीवारों पर सफेदी करवाते हैं | सारा घर साफ़-सुथरा कर दिया जाता है | दरवाज़ों और खिड़कियों पर रंग रोगन किया जाता है | फिर नये चित्रों, मूर्तियों आदि से घरों को सजाते हैं | इस तरह दीवाली के स्वागत में घरों को नया रंग-रूप दे दिया जाता है |

दीवाली के दिन लोग नये-नये कपड़े पहनते हैं | बच्चे अपने माता-पिता के साथ शहर की शोभा देखने जाते हैं और वहां से खिलौने, मिठाइयाँ और चित्र आदि खरीदकर लाते हैं | शाम के समय सब लोग घरों और दुकानों पर दीपक जलाते हैं | रात्रि के समय धन की देवी लक्ष्मी का पूजन किया जाता है | लोगों का कहना है कि रात्रि को लक्ष्मी जी आती हैं | कई लोग सारी रात जागते रहते हैं | इसी दिन दुकानदार अपने लाभ-हानि का चिटठा बांधते हैं और नई बहियाँ लगाते हैं |

पूजा करने के बाद बच्चे बड़े उत्साह से पुलाझादियाँ व पटाखे छोड़ते हैं | पटाखे हमें सावधानी से चलाने चाहिए |

कई लोग दीवाली के दिन जुआ खेलते हैं | उनका यह विचार है कि आज की जीत साल-भर की जीत है | जुआ खेलना एक भारी दोष है |

1- Metindeki cümlelerin yapısı incelenerek, çevirisi yapılacaktır.